हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2022

हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम

कक्षा-सातवीं

संकेत

- हिंदी वर्णमाला एवं मात्राएँ
- संयुक्त व्यंजन
- आगत स्वर एवं नुकता
- 'र' के विविध रूप (रेफ़ और पदेन)
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- उपसर्ग
- शुद्ध शब्द
- विराम चिह्न
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण
- क्रिया, क्रियाविशेषण, शब्द व उनके भेद
- काल एवं कारक के भेद
- संबंधबोधक एवं समुच्चयबोधक
- अनुस्वार एवं अनुनासिक वर्ण
- वाक्य (अर्थ के आधार पर)
- पर्यायवाची, विलोम
- शब्दलड़ी
- हिंदी महीनों के नाम एवं क्रम
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
- अपठित काव्यांश।

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

1. वर्ण

छोटी-से-छोटी भाषा की ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं हो सकते, वर्ण कहलाते हैं। इन वर्णों का व्यवस्थित रूप ही 'वर्णमाला' कहलाता है।

हिंदी वर्णमाला में वर्णों को दो रूपों में बाँटा गया है- स्वर तथा व्यंजन।

2. स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण अन्य ध्वनियों की सहायता के बिना हो, उन्हें स्वर कहते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अयोगवाह– अं अः

3. व्यंजन

व्यंजन वे वर्ण हैं, जो स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। नीचे स्वरयुक्त व्यंजन दिए गए हैं–

क	**ख**	**ग**	**घ**	**ङ**		
च	**छ**	**ज**	**झ**	**ञ**		
ट	**ठ**	**ड**	**ढ**	**ण**	**ड़**	**ढ़**
त	**थ**	**द**	**ध**	**न**		
प	**फ**	**ब**	**भ**	**म**		
य	**र**	**ल**	**व**	**श**		
	ष	**स**	**ह**			

(क) आगत स्वर - **ऑ**

(ख) नुकता वाले आगत व्यंजन - **ज़, फ़**

(ग) संयुक्त व्यंजन–दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। जैसेः– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष – कक्ष, दक्ष

त् + र = त्र – नेत्र, छात्र

ज् + ञ = ज्ञ – यज्ञ, सर्वज्ञ

श् + र = श्र – परिश्रम, आश्रम

4. 'र' के विविध रूप

- रेफ़ (जैसेः पर्व)
- पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसेः क्रम)
- बिना पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसेः राष्ट्र)

5. र और ऋ की मात्राओं में अंतर

- क् + ऋ = कृ, कृपा, कृष्ण
- क् + र = क्र, क्रय, विक्रय

6. स्वरों की मात्राएँ

स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ स्वर की मात्राओं का मेल	उदाहरण
अ	(कोई मात्रा नहीं)	क् + अ = क	कलम, कमल
आ	(ा)	क् + आ = का	काम, काका
इ	(ि)	क् + इ = कि	किताब, किधर
ई	(ी)	क् + ई = की	कील, कीमत
उ	(ु)	क् + उ = कु	कुल, कुत्ता
ऊ	(ू)	क् + ऊ = कू	कूल, कूकना

ऋ	(ृ)	क् + ऋ = कृ	कृत, कृपा
ए	(े)	क् + ए = के	केला, केरल
ऐ	(ै)	क् + ऐ = कै	कैसा, कैलाश
ओ	(ो)	क् + ओ = को	कोट, कोमल
औ	(ौ)	क् + औ = कौ	कौन, कौआ
अं	(ं)	क् + अं = कं	कंठ, कंकड़
अः	(:)	त् + अः = तः	अतः, स्वतः
ऑ	(ॅ)	क् + ऑ = कॉ	कॉलम, कॉपी

7. हिंदी में महीनों के नाम

1. चैत्र (चैत)
2. वैशाख (बैसाख)
3. ज्येष्ठ (जेठ)
4. आषाढ़ (असाढ़)
5. श्रावण (सावन)
6. भाद्रपद (भादो)
7. आश्विन (क्वार)
8. कार्तिक (कातिक)
9. मार्गशीर्ष (अगहन)
10. पौष (पूस)
11. माघ (महा)
12. फाल्गुन (फागुन)

8. विराम-चिह्न

बात करते समय हमें बीच-बीच में रुकना पड़ता है-कभी थोड़ा, कभी अधिक। इसी भाँति लिखते समय भी हमें कुछ जगहों पर ठहरना पड़ता है। इस ठहराव को **विराम** कहते हैं। विराम की ओर संकेत करने वाले चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं।

पूर्ण-विराम (।)

वाक्य पूरा होने पर यह चिह्न लगाया जाता है। जैसे:-

वर्षा हो रही है।   आज होली है।

अल्प-विराम (,)

जहाँ वाक्य के मध्य थोड़ा रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम लगाया जाता है। जैसे:-

हाँ, हम कल चलेंगे।

मैंने केले, संतरे और अमरूद खाए।

प्रश्नवाचक चिह्न (?)

प्रश्न पूछने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-

आप क्या खाएँगे?

तुम्हारा नाम क्या है?

विस्मयादिवाचक चिह्न (!)

भय, शोक, क्रोध, हैरानी आदि मनोभाव प्रकट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-

वाह! खाना बहुत स्वादिष्ट है।   अरे! आप आ गए।

योजक चिह्न (-)

इसका प्रयोग दो शब्दों के बीच संबंध जोड़ने के लिए होता है। जैसे:-

माता-पिता, दिन-रात, सुख-दुख आदि।

निर्देशक चिह्न (–)

इसका प्रयोग किसी ओर निर्देश देने के लिए होता है। जैसे:-

अध्यापक ने कहा – "इधर आओ।"

उद्धरण-चिह्न (“........”)

किसी के कथन को ज्यों-का-त्यों दिखाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- गाँधी जी ने कहा-“सत्य के लिए संघर्ष करो।”

गाँधी जी ने कहा-“सत्य के लिए संघर्ष करो।”

लाघव चिह्न (॰)

किसी शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- डॉ॰ - डॉक्टर क्र॰ म॰ -क्रम संख्या

9. मुहावरे

क्रम	**मुहावरा**	**अर्थ**
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित होना
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग-रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम होना
11.	अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना

12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ–दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	टाँग अड़ाना	बाधा डालना
15.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

10. हिंदी में एक से पचास तक गिनती

1 एक	11 ग्यारह	21 इक्कीस	31 इकत्तीस	41 इकतालीस
2 दो	12 बारह	22 बाईस	32 बत्तीस	42 बयालीस
3 तीन	13 तेरह	23 तेईस	33 तैंतीस	43 तैंतालीस
4 चार	14 चौदह	24 चौबीस	34 चौंतीस	44 चवालीस
5 पाँच	15 पंद्रह	25 पच्चीस	35 पैंतीस	45 पैंतालीस
6 छह	16 सोलह	26 छब्बीस	36 छत्तीस	46 छियालीस
7 सात	17 सत्रह	27 सत्ताईस	37 सैंतीस	47 सैंतालीस
8 आठ	18 अठारह	28 अट्ठाईस	38 अड़तीस	48 अड़तालीस
9 नौ	19 उन्नीस	29 उनतीस	39 उनतालीस	49 उनचास
10 दस	20 बीस	30 तीस	40 चालीस	50 पचास

11. शुद्ध-वर्तनी

अशुद्ध	**शुद्ध**	**अशुद्ध**	**शुद्ध**
नही	नहीं	रूपया	रुपया
रुखा	रूखा	चिन्ह	चिह्न
अवश्यकता	आवश्यकता	आर्शिवाद	आशीर्वाद
वधु	वधू	पितांबर	पीतांबर

वेषभूषा	वेशभूषा	इमानदारी	ईमानदारी
उनंचास	उनचास	उज्जवल	उज्ज्वल
स्थाई	स्थायी	साधू	साधु

12. शब्द

वर्णों के सार्थक समूह को हम 'शब्द' कहते हैं।

क + म + ल = कमल

13. शब्द-लड़ी अंत्याक्षरी

किसी शब्द के अंतिम व्यंजन की सहायता से अगला शब्द बनता हैं, इस प्रकार शब्द-लड़ी बन जाती हैं। जैसे:-

दाल - लौकी - करेला - लहसुन - नींबू - बैंगन

हिमानी - नीलम - ममता - तनिष्का - कविता - तनुजा

14. संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

जैसे- शिवानी, ताजमहल, घबराहट आदि।

संज्ञा के तीन भेद हैं:-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- भारत, दिल्ली, महात्मा गाँधी, कल्पना चावला, रामायण, गीता आदि।
2. जातिवाचक संज्ञा- मोटर साइकिल, कार, पहाड़, तालाब, गाँव, लड़का, लड़की, घोड़ा, शेर।
3. भाववाचक संज्ञा- मिठास, खटास, हरियाली, सुख, बुढ़ापा।

15. सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते है। जैसे– मैं, वह, आप, यह, वे, ये, हम, तुम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

सर्वनाम के छह भेद हैं–

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम - मैं, तुम, वह

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम - वह, यह

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम - कोई, कुछ

(4) संबंधवाचक सर्वनाम - जो, सो आदि

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम - क्या, कौन आदि

(6) निजवाचक सर्वनाम - अपने आप, स्वयं

16. विशेषण

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं वे 'विशेषण' कहलाते हैं। जैसे- सुंदर, मोटा, गोल, चार, कुछ भारी।

जिस शब्द की विशेषता बताई जाए वह 'विशेष्य' कहलाता है जैसे:- 'मोटी पुस्तक' इसमें मोटी 'विशेषण' है और पुस्तक 'विशेष्य'।

विशेषण के चार भेद हैं-

1. गुणवाचक विशेषण - छायादार पेड़, मोटा हाथी, वीर सैनिक, लाल कमीज़
2. संख्यावाचक विशेषण - कुछ आम, तीन पुस्तकें, अनेक पक्षी, दो नोट
3. परिमाणवाचक विशेषण - जग में दो किलो दूध रखा है, तीन मीटर कपड़ा दे दीजिए, कुछ चावल दे दीजिए, थोड़ा पानी पिला दीजिए
4. सार्वनामिक विशेषण - ये फूल पूजा के लिए हैं, वह कुत्ता मोहित का है, ये फूल में सुंदर लगते हैं, यह लड़की खिलौने से खेल रही है।

17. क्रिया

काम के करने अथवा होने का बोध कराने वाले शब्दों (पदों) को 'क्रिया' कहते हैं। जैसे:- सोना, खाना, पीना, सोचना, चलना, हँसना, रोना, देखना, सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, गाना, गुर्राना आदि।

क्रिया के दो भेद हैं:- 1. अकर्मक क्रिया **2.** सकर्मक क्रिया

18. क्रियाविशेषण

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं। क्रियाविशेषण के चार भेद हैं।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण - धीरे-धीरे, धीमे-धीमे

कालवाचक क्रियाविशेषण - आज, कल, अभी-अभी

स्थानवाचक क्रियाविशेषण - वहाँ, कहाँ, उधर

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण - बहुत, कम

19. काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने अथवा करने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं-

भूतकाल- क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं। जैसे:- राम कल घर गया था।

वर्तमानकाल- क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम इस समय चल रहा है, उसे **वर्तमान काल** कहते हैं। जैसे:- मोहन नाच रहा है।, हिरन दौड़ रहा है।, सुमन कहानी लिखती है।

भविष्यत् काल- क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में उसके किए जाने का या होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे:- हमारा विद्यालय कल बंद रहेगा।, अगले महीने दिल्ली में चुनाव होंगे।, राम कल घर होगा।

20. कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ ज्ञात होता है, उसे 'कारक' कहते हैं।

कारक के आठ भेद हैं-

कारक	**चिह्न (विभक्ति)**
कर्ता कारक	ने (जो क्रिया करें)
कर्म कारक	को (जिसपर क्रिया का फल पड़े)
करण कारक	से (के द्वारा) (जिस साधन से क्रिया हो)
संप्रदान कारक	के लिए, को (जिसके लिए क्रिया की जाए)
अपादान कारक	से (अलग होने के अर्थ में) (जिससे किसी के अलग होने का बोध हो।)
अधिकरण कारक	में, पर (जहाँ क्रिया घटित हो)
संबंध कारक	का, के, की; रा, रे, री; ना, ने, नी (जो दो शब्दों का संबंध जोड़े)
संबोधन कारक	हे! अरे! (जब किसी को संबोधित किया जाए।)

21. बिंदु (ं) एवं चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द

(ं) बिंदु

गंगा	चंचल	झंडा	गंदा
कंपन	पंक्ति	जिंदा	पतंग

(ँ) चंद्रबिंदु

आँख	माँ	गाँव	हँस
मुँह	कुआँ	चाँद	काँच

22. वाक्य

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।

उदाहरण के लिए 'सत्य की विजय होती हैं।' एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा-पूरा अर्थ निकलता है।

वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते हैं-

1. विधानवाचक वाक्य-(साधारण) वंदना छठी कक्षा में पढ़ती है।
2. निषेधवाचक वाक्य-(मना करना) यहाँ पर गंदगी न फैलाएँ।
3. प्रश्नवाचक वाक्य-(प्रश्न पूछना) आप कहाँ रहते हैं?
4. आज्ञावाचक वाक्य-(आदेश) आप दौड़कर उसके पास जाओ।
5. विस्मयवाचक-(आश्चर्य) वाह! तुमने बहुत सुंदर लिखा है।
6. इच्छावाचक वाक्य-(इच्छा, कामना) आपकी यात्रा मंगलमय हो।
7. संदेहवाचक वाक्य-(संदेह) शायद, आज वर्षा होगी।
8. संकेतवाचक वाक्य-(संकेत) यदि तुम मेहनत करोगे, तो अवश्य सफल होगे।

23. पर्यायवाची

किसी का शब्द समान अर्थ देने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसेः–

शब्द	पर्यायवाची
चंद्रमा	शशि, राकेश, मयंक
धरती	भूमि, भू, धरा
अग्नि	अनल, पावक, आग
पानी	नीर, वारि, जल
आकाश	गगन, अंबर, नभ
घर	गृह, सदन, भवन
पुत्र	बेटा, लड़का, सुत
मित्र	दोस्त, सखा, सहचर
स्त्री	नारी, औरत, महिला
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
दिन	दिवा, दिवस, वार
माँ	अम्मा, माता, जननी
समुद्र	सिंधु, सागर, जलधि
भौंरा	भ्रमर, भृंग, मधुकर
जंगल	वन, कानन, अरण्य
वृक्ष	तरु, पादप, विटप
नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी
तालाब	सरोवर, सर, ताल
कपड़ा	वस्त्र, वसन, ताल
बादल	मेघ, जलद, घन

24. विलोम

जो शब्द एक–दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम या विपरीत शब्द कहते हैं।

जैसे:–

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
रात	दिन	कायर	वीर
धरती	आकाश	अपना	पराया
सच	झूठ	दूर	पास
अमीर	गरीब	शाकाहारी	मांसाहारी
दुख	सुख	शांत	अशांत
आदि	अंत	अंदर	बाहर
चतुर	मूर्ख	सरल	कठिन
ठंडा	गरम	देव	दानव
ईमानदार	बेईमान	दुर्बल	सबल
शत्रु	मित्र	प्राचीन	नवीन

25. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्द (वाक्यांश)		**एक शब्द**
जो ईश्वर को मानता हो	–	आस्तिक
जो ईश्वर का न मानता हो	–	नास्तिक
जो पढ़ा लिखा न हो	–	निरक्षर
जिसका अंत न हो	–	अनंत
जिसका नष्ट होना तय हो	–	नश्वर
हमेशा रहने वाला	–	शाश्वत
जिसका अंत न हो	–	अनंत
मीठा बोलने वाला	–	मृदुभाषी
दूसरों पर उपकार करने वाला	–	परोपकारी
जो अपने देश का हो	–	स्वदेशी
जिसकी तुलना न हो	–	अतुलनीय

जिसके माता–पिता न हो	–	अनाथ
अधिक खर्च करने वाला	–	अपव्ययी
जो बीमार का इलाज करता हो	–	चिकित्सक
जिसे पाना कठिन हो	–	दुर्लभ

26. लोकोक्तियाँ एवं उनके अर्थ

1. आम के आम गुठलियों के दाम – दोगुना लाभ कमाना।
2. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे – दोषी का ही निर्दोष पर दोष मढ़ना।
3. एक और एक ग्यारह – एकता में बल है।
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस – बलवान के ही सब अधिकार हैं।
5. घर का भेदी लंका ढाए – आपसी फूट विनाश का कारण बन जाती है।
6. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है – एक बुरा व्यक्ति सारे समूह को बुरा बना देता है।
7. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली – अधिक छोटे अधिक बड़े में कोई तुलना नहीं होती।
8. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात – थोड़े ही दिन के मज़े, फिर वही परेशानियाँ।

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2022

कक्षा-सातवीं

अधिकतम अंक-100 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नाम: ....

पिता/संरक्षक का नाम: ....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षर: ....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल चालीस प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।

नमूना प्रश्न-पत्र

अपठित काव्यांश (प्रश्न 1 से 5 तक)

नीचे दिए गए काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

बच्चे, बूढ़े और युवा को, मिलकर आगे आना है,
भारत कैसे स्वच्छ बनेगा, सबको यह समझाना है।
पार्क-बगीचे साफ़ रखें सब, सड़कें रखें साफ़ सारी,
गली-मुहल्ला साफ़ रखें सब, नदियाँ साफ़ रखें सारी।
यहाँ-वहाँ कूड़ा कहीं न डालें, बनना है अब ज़िम्मेदार,
गाँधी जी का सुंदर सपना, मिलकर करना है साकार।

1. उपर्युक्त कविता के लिए उपयुक्त 'शीर्षक' है–
   क) स्वच्छ भारत ख) गाँधी जी का सपना
   ग) दोनों सत्य हैं घ) कोई नहीं

2. स्वच्छ भारत की ज़िम्मेदारी किसकी है?
क) बच्चों की ख) युवाओं की
ग) बुजुर्गों की घ) सभी की

3. 'स्वच्छ भारत' से संबंधित कौन-सा कथन सत्य है?
क) 'स्वच्छ' विशेषण है ख) 'भारत' विशेष्य है
ग) दोनों कथन सत्य हैं घ) दोनों कथन असत्य हैं

4. 'मिलकर करना है साकार' पंक्ति में पूर्वकालिक क्रिया है-
क) मिलकर ख) करना ग) है घ) साकार

5. 'नदी' शब्द का पर्यायवाची है–
क) सरिता ख) सरोवर
ग) दोनों घ) इनमें से कोई नहीं

6. हिंदी वर्णमाला में 'ओ' के बाद आने वाला वर्ण है-
क) ए ख) ऐ ग) औ घ) ऋ

7. 'ट' वर्ग का पाँचवाँ वर्ण कौन-सा है?
क) ङ ख) ण ग) ञ घ) म

8. 'पुरूष' शब्द में क्रमशः कौन-सी मात्राएँ हैं?
क) उ तथा ऊ ख) ऊ तथा उ ग) आ तथा उ घ) उ तथा आ

9. 'नेत्र' शब्द में 'संयुक्त व्यंजन' है–
क) ज्+ञ्=ज्ञ ख) त्+र=त्र ग) त्र+अ=त्र घ) त्+ऋ+अ=त्र

10. 'आगत' ध्वनि से बना शब्द कौन-सा है?
क) गाँव ख) पाँच ग) पंच घ) कॉपी

11. कौन-सा 'विराम चिह्न' सही है-
क) लाघव (।) ख) योजक (-) ग) उद्धरण (?) घ) अल्पविराम (!)

(प्रश्न 12-14) शुद्ध शब्द छाँटिए-

12. क) चिट्ठियाँ ख) चिट्टियाँ ग) चिट्ठियाँ घ) चिठ्ठियाँ

13. क) दवाईयाँ ख) दवाइयाँ ग) दांवाईयाँ घ) अन्य

14. क) शेष ख) षेश ग) सेष घ) शेस

15. 'वह घर जा रहा है।' वाक्य में 'क्रियापद' है-
क) घर ख) जा ग) जा रहा घ) जा रहा है

16. ‘बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।’ वाक्य में ‘क्रिया’ है?

क) अकर्मक　　ख) सकर्मक　　ग) दोनों　　घ) कोई नहीं

(प्रश्न 17-18) ‘पतला लड़का तेज़ दौड़कर आया।’ वाक्य में बताइए-

17. ‘विशेषण’ क्या है?

क) पतला　　ख) लड़का　　ग) तेज़　　घ) आया

18. उपर्युक्त वाक्य में ‘मुख्य क्रिया’ क्या है?

क) दौड़कर　　ख) आया　　ग) तेज़　　घ) तीनों

19. निम्नलिखित में समुच्चयबोधक शब्द बताइए।

क) कि　　ख) और　　ग) मगर　　घ) तीनों

20. ‘अमृत’ शब्द का विलोम होगा-

क) समृत　　ख) विष　　ग) अमृता　　घ) अजीवित

21. हिंदी महीनों की संख्या कितनी है?

क) 12　　ख) 18　　ग) 6　　घ) 24

22. ‘यह मेरा है।’ वाक्य में ‘यह’ क्या है?

क) संज्ञा　　ख) विशेषण　　ग) सर्वनाम　　घ) क्रिया

23. ‘जिसकी उपमा न दी जा सके।’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है—

क) अनूप　　ख) अमूल्य　　ग) अनुपम　　घ) अमोल

24. किसी नई चीज की खोज क्या कहलाती है?

क) आविष्कार　　ख)अविष्कार　　ग) अविषकार　　घ) अविश्कार

25. बिंदी वाला सही शब्द छाँटिए-

क) धुँआ　　ख) धुआँ　　ग) धुंआ　　घ) धूँआ

26. ‘पत्र’ शब्द का अर्थ है—

क) चिट्ठी　　ख) पत्ता　　ग) दोनों　　घ) कोई नहीं

27. ‘प्रेम’ शब्द में ‘र’ है—

क) स्वर रहित　　ख) स्वर सहित　　ग) दोनों　　घ) अन्य

28. ‘जैसे को तैसा’ तथा ‘बंदर वाली घुड़की’ ये दोनों क्रमशः क्या हैं?

क) दोनों मुहावरे　　ख) दोनों लोकोक्तियाँ

ग) लोकोक्ति, मुहावरा　　घ) अन्य

29. 'हाथ बंटाना' मुहावरे का अर्थ है-

क) सहायता करना　　ख) हाथ पकड़ना

ग) बांट कर खाना　　घ) हाथ खींचना

30. 'कुचाल' में उपसर्ग क्या है?

क) क　　ख) कु

ग) कुचा　　घ) चाल

31. 'काला अक्षर भैंस बराबर।' यह है–

क) एक मुहावरा　　ख) एक लोकोक्ति　　ग) दोनों　　घ) इनमें से कोई नहीं

32. 'ऊँची दुकान फीका..................' लोकोक्ति का शब्द है–

क) आम　　ख) मिठाई　　ग) पकवान　　घ) स्वाद

33. 'अत्यधिक' में उपसर्ग है–

क) अ　　ख) सत्य　　ग) अति　　घ) इनमें से कोई नहीं

34. 'निर्मूल' शब्द में 'मूल शब्द' है–

क) अमूल　　ख) मूल　　ग) रमूल　　घ) निर्मल

35. 'सब कुछ जानने वाला' वाक्यांश के लिए 'एक शब्द' होगा–

क) ज्ञानी　　ख) जिज्ञासु　　ग) चतुर　　घ)सर्वज्ञ

36. 'बोलने वाला' वाक्यांश के लिए शब्द है–

क) वक्ता　　ख) श्रोता　　ग) विद्यार्थी　　घ) छात्र

37. 'आरंभ' का विलोम है–

क) अस्त　　ख) अंत　　ग) शुरुआत　　घ) आशा

38. 'ठंडी हवा चल रही है।' वाक्य में 'हवा' क्या है?

क) संज्ञा　　ख) विशेषण　　ग) क्रियाविशेषण　　घ) निपात

39. 'चिड़िया <u>पत्तों में</u> छिपकर बैठी है।' वाक्य में रेखांकित शब्द में कौन-सा कारक है–

क) करण कारक　　ख) संबंध कारक

ग) अधिकरणकारक　　घ) कर्मकारक

40. नुकता वाला सही शब्द छाँटिए।

क) राज़　　ख) सज़ा

ग) फ़ासला　　घ) उपर्युक्त तीनों

उत्तर-संकेत

1. ग	15. घ	29. क
2. घ	16. ख	30. ख
3. ग	17. क	31. ख
4. क	18. ख	32. ग
5. क	19. घ	33. ग
6. ग	20. ख	34. ख
7. ख	21. क	35. घ
8. क	22. ग	36. क
9. ख	23. ग	37. ख
10. घ	24. क	38. क
11. ख	25. क	39. ग
12. क	26. ग	40. घ
13. ख	27. ख	
14. क	28. ग	

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।